(d) All efforts are being made to fill up the vacancies at the earliest.

(e) All the seven sick subsidiaries of BBUNL have been referred to BIFR. The revival of these companies would depend on BIFR's final recommendations.

Statement

Functioning of Bharat Bhari Udyog Nigam Limited (BBUNL).

(c) The vacancy position of the Board level posts in BBUNL and its subsidiaries are as under :-

Company	Vacant Post
(1) Bharat Bhari Udyog Nigam Ltd. (BBUNL).	(i) Chairman-cum-Managing Director.
	(ii) Director (Finance)
	(iii) Director (Commercial)
	(iv) Director (Technical)
(2) Burn Standard Company Limited (BSCL)	(i) Director (Finance)
	(ii) Director (Off-shore)
(3) Jessop and Company Limited (JSP)	(i) Director (Finance)
(4) Braithwaite & Company Limited (BCL)	(i) Managing Director
	(ii) Director (Production, Planning & Control)
(5) Reyrolle Burn Limited (RBL)	(i) Managing Director

नेपा की उत्पादन क्षमता

1571. **श्री अजीत जोगी :**
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मध्य प्रदेश के नेपा लिमिटेड में कागज की उत्पादन क्षमता का ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस मिल के कागज का वर्तमान भंडार कितना है ;

(ग) इस भंडार को निपटाने के के लिये क्या कदम उठाये गये हैं;

(घ) क्या सरकार इस मिल के आधुनिकीकरण का विचार रखती है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) नेपा लिमिटेड की उत्पादन क्षमता 88,000 मिट्रिक टन प्रति वर्ष है ।

(ख) यथा 13-3-95 को नेपा लिमिटेड के पास अखबारी कागज का भंडार 404 मीट्रिक टन था ।

(ग) वर्तमान समय में, नेपा लिमिटेड को अपने उत्पाद बेचने में कोई कठिनाई नहीं है, अतः भंडार को निपटाने के लिये विशेष उपायों की आवश्यकता नहीं है।

(घ) और (ङ) जी, हां । नेपा लिमिटेड में, एक दीर्घावधिक उपाय के रूप में तकनीकी उन्नयन हेतु सरकार ने कम्पनी में निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिये प्रस्ताव आमंत्रित करने का निर्णय लिया है ।

विदेशी उद्योगपतियों को उद्योग स्थापित करने के लिए अनुमति

1572. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उदार औद्योगिक नीति अपनाने के बाद अब तक कितने विदेशी उद्योगपतियों ने भारत में उद्योग स्थापित करने की अनुमति मांगी है ;

(ख) उनके द्वारा अब तक कितने और किस प्रकार के उद्योग स्थापित किये गये हैं ;

(ग) उनमें कितनी धनराशि का निवेश किया जायेगा और उनसे कितने लोगों को रोजगार मिलेगा ; और

(घ) इस संबंध में राज्यवार आंकड़े क्या हैं?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) नयी औद्योगिक नीति अपनाये जाने के बाद अर्थात 1-8-1991 से 31-1-1995 तक की अवधि में भारत में परियोजनायें स्थापित करने के लिये 2837 प्रस्ताव जिनमें विदेशी निवेश अन्तर्ग्रस्त है, प्राप्त हुये हैं और अनुमोदित किये गये हैं ।

(ख) और (ग) विभिन्न क्षेत्रों में अनुमोदनों की संख्या और पूर्वानुमानित निवेश के आंकड़े विवरण में दर्शाये गये हैं। **(नीचे देखिए)**

रोजगार सृजन संबंधी आंकड़े, विशेषतया विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के संदर्भ में, नहीं रखे जाते हैं । रोजगार का संबंध औद्योगिक अनुमोदनों से है अर्थात आशय पत्र (लाइसेंसीकृत क्षेत्रों के लिये) और औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन (लाइसेंसमुक्त क्षेत्रों के लिये) । ऐसे अनुमोदनों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश वाली परियोजनायें शामिल हैं । इसलिये, आशय पत्रों/औ.उ. ज्ञापनों में दी गई रोजगार संबंधी पूर्वानुमान सरकार की नयी औद्योगिक नीति 1991 के फलस्वरूप संभावित रोजगार सृजित करने के द्योतक है । नयी नीति के बाद की अवधि में अर्थात 1-8-91 से 31-1-95 तक 17668 औ.उ. ज्ञापन दायर किये गये जिनमें 33,22,455 व्यक्तियों के लिये रोजगार के अवसरों की परिकल्पना है । इसी अवधि के दौरान 1918 आशय-पत्र जारी किये गये जिनमें 366850 व्यक्तियों के लिये रोजगार के अवसरों की परिकल्पना की गयी है ।

अब तक वास्तव में स्थापित किये गये उद्योगों की संख्या के बारे में आंकड़े केन्द्रीय रूप में नहीं रखे जाते हैं ।

(घ) 1993 से 1995 (जनवरी, तक) तक के अनुमोदनों के राज्यवार ब्यौरे विवरण-II दिये गये हैं । (नीचे देखिये) । 1993 से पहले के राज्यवार आंकड़े नहीं रखे गए हैं ।